अरे मत ना बेच कसायां के,
तन्नै दुध पिलाया करती,
और तुं माँ कह क बोलया करता,
मैं नाड़ हिलाया करती।।

माँ कह हथ्थे में कटवाव:,
डुब गया तन्नै दया ना आव:,
बुढ़ी होगी दाम उठाव:,
तेरा काम चलाया करती,
अरे मतना बेच कसायां क,
मैं नाड़ हिलाया करती।।

एक छोटा सा बछड़ा जाया,
जिसने तेर: खुब कमाया,
उस दिन तुं फुलया नहीं समाया,
तेर: जिनस आया करती,
अरे मतना बेच कसायां क,
मैं नाड़ हिलाया करती।।

काढ जेवड़ा तुं लाठी मार:,
जब छीक मैं क आऊँ दवार:,
बाल्टी में धार मार:,
पां ना ठाया करती,
अरे मतना बेच कसायां क,

मैं नाड़ हिलाया करती।।

क दिन घरां बैठ क खाव:,
किसकी खातर पाप कमाव:,
अशोक भक्त तन्नै कुछ ना थयाव:,
न्युं समझाया करती,
अरे मतना बेच कसायां क,
मैं नाड़ हिलाया करती।।

अरे मत ना बेच कसायां के,
तन्नै दुध पिलाया करती,
और तुं माँ कह क बोलया करता,
मैं नाड़ हिलाया करती।।

गायक – नरेन्द्र कौशिक।
भजन प्रेषक – राकेश कुमार जी,
खरक जाटान(रोहतक)
(9992976579)

Source:
https://www.bharattemples.com/mat-na-bech-kasaya-ke-tane-dudh-pilaya-karti/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw